Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 07 , 28 सितम्बर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

फेसबुक पोस्ट के जरिए अपनी शादी में बुल रहे है जेपी सिंह

नई दिल्ली। फेसबुक पर जतिंदर पाल सिंह नाम के एक शख्स ने अपनी शादी का खुला इनविटेशन पोस्ट किया है। जतिंदर पाल सिंह कश्मीर के पुलवामा ज़िले के धरम गुंड गांव के रहने वाले है। जतिंदर कश्मीर के अल्पसंख्यक सिख समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। जतिंदर पेशे से सॉफ़्टवेयर इंजीनियर हैं और फ़िलहाल गुड़गांव में नौकरी करते हैं। इनकी होने वाली पत्नी विपिन कौर भी नोएडा में काम करती हैं। जतिंदर ने पोस्ट में लिखा कि उनकी शादी एक अक्टूबर को होने वाली है। शादी कश्मीर के गांव में कश्मीरी और सिख रीति-रिवाज़ों के साथ होगी। ये कार्यक्रम चार दिन चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि उनका गांव धरम गुंड जो कि पुलवामा के त्राल इलाके में आता है श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से 46 किमी दूर है। जो कोई भी उनकी शादी में आना चाहता हैं उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि आप मुझे मैसेज कीजिए। आपके ठेहरने, खाने व सुरक्षा की जिम्मेदारी मेरी और मेरे परिवार की होगी। उन्होंने लिखा कि ये जरूरी नहीं कि मैं आपको जानता हूं लेकिन अगर आप मेरी शादी में आएंगे तो मुझे और मेरे परिवार को आपकी मेज़बानी करके खुशी होगी।

यूपी की यूनिवर्सिटीज अनसेफ,यौन शोषण के ये आंकड़े चौंकाने वाले

नई दिल्ली। बीएचयू में पिछले कई दिनों से छेड़खानी के विरोध में चल रहे बवाल के बीच यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन) ने एक रिपोर्ट जारी कर यूनिवर्सिटी कैंपस की घिनौनी पोल खोल दी है। दिल्ली, यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, बिहार और बंगाल के यूनिवर्सिटी कैंपस में यौन शोषण के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। यूजीसी के आंकड़ों के मुताबिक साल 2016 के अप्रैल से साल 2017 के मार्च तक 103 छात्राएं यौन उत्पीड़न का शिकार हुई हैं, जिसमें से 24 यूपी की यूनिवर्सिटीज से हैं। हर चार यौन शोषण के मामलों में एक मामला यूपी के कॉलेज से आता है। बीएचयू में छेड़खानी के मामले के बाद ये आंकड़े सामने आए हैं। इन आंकड़ों से साफपता चलता है कि यूपी के कॉलेजों की हालत बहुत ही खस्ता है। अलीगढ़ यूनिवर्सिटी, अंबेडकर यूनिवर्सिटी, शारदा यूनिवर्सिटी इन यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आने वाली कॉलेजों में यौन शोषण के सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इनमें से 16 मामले पंजाब यूनिवर्सिटी,12 चंडीगढ़ और 8 हरियाणा के मामले हैं।

एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि इस साल यूपी में यौन उत्पीड़न के मामलों में 33 फीसद की बढ़ोतरी आई है। साल 2014 में 4,435 मामले जबकि साल 2015 में ये बढ़कर 5,925 हो गए, छेड़खानी के भी मामलों में भी इजाफा हुआ है।

ऐसे होती है कार्रवाई

जो पीड़िता होती है उसका कोई रिश्तेदार या दोस्त भी शिकायत दर्ज करा सकता है, लेकिन वो केस तीन महीने के भीतर दर्ज करानी होगी। कॉलेज प्रबंधन को उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी होगी।

दिवंगत शिक्षक मुकेश शर्मा के नाम पर होगा सरकारी स्कूल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्कूलों के शिक्षकों ने अपने आदर्श शिक्षक स्वर्गीय मुकेश शर्मा की पुण्य तिथि पर नांगलोई चौक स्थित गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल एसपी रोड पर कैंडल मार्च निकाला। इस मौके पर जीएसटीए अध्यक्ष सीपी सिंह के नेतृत्व शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। शिक्षकों ने उनकी शहादत को सलाम करते हुए आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही दिल्ली सरकार के वादों को याद दिलाने एसपी रोड नांगलोई विद्यालय से कैंडल मार्च निकाला।

दस दिन में पाकरे को दुरुस्त करें उपायुक्त

नई दिल्ली। पार्किंग समस्या एवं पाकरे की दुर्दशा को लेकर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को मुनिरका वार्ड का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों से बात करते हुए उन्होंने स्थानीय उपायुक्त को सभी पाकरे को 10 दिन के भीतर दुरुस्त करने को कहा है। उन्होंने उपायुक्त विश्वेंद्र सिंह को निर्देश दिया कि 10 दिन के भीतर सभी पाकरे को सुधारा जाये।

पहले पत्नी हनीप्रीत गई अब पूर्व पति विश्वास संपत्ति वापस लेने का करेगा दावा

करनाल। विश्वास गुप्ता का दुर्भाग्य है कि शादी के बाद भी हनीप्रीत नहीं मिली और करोड़ों रुपये की संपत्ति भी गंवानी पड़ी। विश्वास के पिता एमपी गुप्ता 47 साल से डेरे के वरिष्ठ अनुयायी रहे। उन्होंने डेरे को अपनी करीब 10 करोड़ की संपत्ति सौंपी थी। पिता-पुत्र का कहना है कि वह अब अपनी संपत्ति को वापस लेने का दावा करेंगे। एमपी गुप्ता का कहना है कि उनकी संपत्ति का अब बाजार भाव बढ़कर 40 करोड़ रुपये हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने खुद और बेटे के लिए खतरे की आशंका जता और एसपी जेएस रंधावा से मिलकर अपनी सुरक्षा बढ़ाए जाने की भी मांग की। एमपी गुप्ता ने बताया कि उन्होंने एसपी को पूरी स्थिति अवगत करा दिया है। उन्हें अपनी जान का खतरा बना हुआ है। उन्हें पता चला कि गुरमीत ने 400 शूटरों को भर्ती कर रखा है। वह इनका इस्तेमाल अपने दुश्मनों को खत्म करने के लिए करता है। वह और उनका पुत्र विश्वास गुरमीत के नंबर वन दुश्मन हैं। वह जेल में रहकर भी उनकी हत्या करवा सकता है। गुप्ता ने बताया कि सन् 2011 से उन्हें सुरक्षा से मिली हुई है, लेकिन अब उनकी जान को खतरा बढ़ गया है। ऐसे में अब उन्हें और सुरक्षा की जरूरत है। एसपी जेएस रंधावा ने कहा कि एमपी गुप्ता ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। इस पर विचार किया जाएगा। जरूरत लगने पर सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। एमपी गुप्ता के अनुसार उनकी करनाल के सेक्टर 14 में बड़ी कोठी थी। इसके अलावा सिरसा में भी बड़ा घर था। उन्होंने गुरमीत के बहकावे में आकर दोनों को बेच दिया। उन्होंने अपनी संपत्ति से मिली रकम गुरमीत के कहने पर डेरे की फैक्टरी में लगा दिया था, वहां उन्हें धोखा मिला।

ब्लू व्हेल गेम:

पुलिस ने आत्महत्या करने जा रहे बच्चे को बचाया, दोस्त पहले ही कर चुका है सुसाइड

नई दिल्ली। रोहतक में रहने वाले एक बच्चे को पुलिस ने उस समय बचा लिया जब वह कथित तौर पर ब्लू व्हेल गेम खेलने के बाद आत्महत्या करने जा रहा था। वहीं, उसके दोस्त ने शनिवार को आत्महत्या कर ली थी। उसकी आत्महत्या के पीछे भी ब्लू व्हेल गेम ही बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि रोहतक का रहने वाला पंकज कुमार 11 वीं कक्षा का छात्र है। वह पंचकूला में कक्षा 10 तक करण ठाकुर के साथ पढ़ा है। दोनों काफी अच्छे दोस्त थे। ठाकुर ने ही शायद पंकज को ब्लू व्हेल गेम का लिंक भेजा था। पुलिस इंस्पेक्टर मनोज वर्मा ने बताया कि सुसाइड करने से पहले करण ठाकुर ने ब्लू व्हेल गेम का लिंक पंकज को भेजा था। यह जानकारी हमें तब पता चली जब करण का मोबाइल फोन चेक किया। इसके बाद फौरन पंकज के पिता को फोन किया गया और पूरी घटना के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि पिता को पता चलते ही पंकज को कमरे में तब तक बंद रखा जब तक

हम लोग वहां पहुंच नहीं गए। वर्मा ने आगे कहा कि पंकज अपने पिता के मोबाइल पर गेम खेलता था। इंस्पेक्टर ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि फोन पंकज के साथ नहीं था। वह उसके पिता के पास था।' पुलिस का कहना है कि अब उनके एक्सपर्ट पंकज का काउंसलिंग कर रहे हैं। इसके अलावा पुलिस इस बात की जांच करने में जुटी हुई है कि गेम के कहीं और लिंक तो नहीं भेजे गए। बता दें कि पंचकूला का रहने वाला करण ठाकुर शनिवार को आत्महत्या कर चुका है। पुलिस का कहना है कि उसकी मौत ब्लू गेम खेलने की वजह से हुई है। ठाकुर ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। वहीं, पुलिस को उसकी किताब में कई तरह के स्कैचेस बने हुए दिखाई दिए थे।

यशवंत सिन्हा के लेख पर घमासान:

चिदंबरम बोले- क्या सरकार अब स्वीकार करेगी कि अर्थव्यवस्था डूब रही है

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भाजपा नेता यशवंत सिन्हा के अर्थव्यवस्था की वित्त मंत्री द्वारा की गयी दुर्दशा को लेकर अरुण जेटली की आलोचना किये जाने के बाद बुधवार को देश के आर्थिक हालात को लेकर केन्द्र सरकार पर निशाना साधा। यशवंत सिन्हा ने 'मुझे अब बोलना चाहिए' शीर्षक आलेख में अर्थव्यवस्था को लेकर वित्त मंत्री अरुण जेटली पर हमला बोला है।

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने जेटली को निशाने पर लेते हुए कहा कि लोगों को अपना रूख स्पष्ट करना चाहिए क्योंकि हमारे जहाज के पंख गिर गये हैं। राहुल ने ट्वीट किया, देवियों एवं सज्जनों, यह आपका सह पायलट एवं वित्त मंत्री बोल रहा है। कृपया अपनी पेटी बांध लें और मजबूती से बैठ जाएं। हमारे जहाज के पंख गिर गये हैं।

पी चिदंबरम का हमला

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि यशवंत सिन्हा ने सच कहा है और अर्थव्यवस्था के बारे में हमारे नजरिये की ही पुष्टि की है। चिदंबरम ने कहा कि यशवंत सिन्हा ने वही कहा है जो हम 18 महीने से कहते आ रहे हैं।

पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सवाल किया कि क्या सत्ता इस सत्य को स्वीकार करेगा। चिदंबरम ने ट्विटर पर कहा, यशवंत सिन्हा ने सत्ता से सत्य कहा है। क्या सत्ता अब इस सत्य को स्वीकार करेगी अर्थव्यवस्था डूब रही है। सत्य यह है कि 5.7 प्रतिशत की विकास दर वास्तव में 3.7 प्रतिशत या उससे भी कम है। उन्होंने कहा, लोगों के मन में भय बैठा देना ही नये खेल का नाम है। चिदंबरम ने कहा, शाश्वत सत्य: सत्ता क्या करती है, इसका महत्व नहीं है। अंतत: सत्य की जीत होगी।

यशवंत सिन्हा अटल बिहारी वाजपेयी नीत राजग सरकार में वित्त मंत्री थे। उन्होंने अपने आलेख में कहा है कि अगर वह नहीं बोलते तो उनका राष्ट्रीय दायित्व पूरा नहीं होता।

राजनाथ सिंह ने किया अपनी सरकार का बचाव

केंद्रीय गह मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा की ओर से मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की तीखी आलोचना किए जाने को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए बुधवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय फलक पर भारत की विश्वसनीयता स्थापित हुई है । अर्थव्यवस्था की हालत पर सिन्हा के बयान से जुड़े एक सवाल के जवाब में राजनाथ ने कहा कि किसी को देश के बारे में इन तथ्यों को नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा, पूरी दुनिया स्वीकार करती है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। किसी को यह तथ्य नहीं भूलना चाहिए। अर्थव्यवस्था के मामले में अंतरराष्ट्रीय फलक पर भारत की विश्वसनीयता स्थापित हुई है।

क्या लिखा था यशवंत सिन्हा ने

एक अंग्रेजी अखबार में लिखे गए आलेख में सिन्हा ने केंद्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अगुवाई वाली राजग सरकार में वित्त मंत्री रह चुके सिन्हा ने दावा किया।

सफाई का महापर्व शुरू

दिल्ली। देशभर के लोग अभी से दीपावली की तैयारी में जुट गए हैं। दिवाली महज़ घर के रंग-रोगन, लक्ष्मी पूजन, अथवा बेहतरीन भोजन का त्योहार नहीं है। हिन्दुस्तान का सर्वाधिक लोकप्रिय यह त्योहार अंदर के अंधकार और अस्वस्थ विचारों से मुक्ति का सालाना उत्सव भी है। प्रश्न यह है कि हममें से कितने लोग इस अर्थ को समझते हैं? जो समझते हैं, वे इसका कितना अनुपालन करते हैं?

ये सवाल रस्मी तौर पर लगभग हर साल पूछे जाते हैं और बाद में इन्हें बिसरा दिया जाता है। यही वजह है कि संसार की सबसे पुरानी सभ्यता रह-रहकर डांवाडोल होती दिखती है। महात्मा गांधी ने भारत की आजादी का अलख जगाते हुए तन और मन की स्वच्छता पर जोर दिया था। वे जानते थे कि जो लोग अपने घर का कूड़ा नहीं फेंक सकते वे भला अंग्रेजों से कैसे पार पा सकेंगे? आजादी तो हमें मिल गई पर ऐसा लगता है कि उसके अर्थ जैसे कहीं खो गए हैं। सफाई इनमें से एक है। मैं जिन कस्बों और शहरों में पला बढ़ा, वहां जाता हूं, तो मन दुखी हो जाता है। ये शहर कभी अपनी चौड़ी सड़कों, गलियों और साफ-सुथरेपन के लिए जाने जाते थे। बरसों की लापरवाही ने इन्हें विशाल कूड़ेदान में तब्दील कर दिया है। गांवों में जहां मच्छर और मक्खियां बहुत कम होते थे, वहां मलेरिया और हैजा फैल रहा है। गंदगी-जनित रोगों से हर साल लाखों लोग मारे जाते हैं। इनमें ज्यादातर अबोध शिशु और असहाय महिलाएं होती हैं। जो देश अपने बच्चों को भरा-पूरा जीवन नहीं दे सकता, उसे खुद पर इतराने का कोई हक नहीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता संभालने के कुछ दिन बाद ही 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत की थी।

उसके बाद लोगों के मानस में परिवर्तन आया जरूर पर वह जरूरत के मुताबिक नहीं था। इसीलिए भारत सरकार ने 15 सितंबर से 2 अक्तूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत की है। पूरे देश में सरकार और समाज मिलकर इस दौरान सफाई के साझा सूत्र रचेंगे। एक जिम्मेदार अखबार होने के नाते 'हिन्दुस्तान' इस अभियान को पूरा समर्थन देते हुए अपने पाठकों से स्वच्छ भारत मुहिम से जुड़ने का सादर आह्वान करता है। आइए, आप भी कसम खाइए - 'मां कसम हिन्दुस्तान को साफ रखेंगे हम'

सावधान : अस्पतालों में फैल रहा है जानलेवा फंगस

नई दिल्ली। देश भर के निजी और सरकारी अस्पतालों में जानलेवा फंगस 'कैंडीडा औरीस' तेजी से फैल रहा है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है। डॉक्टरों के मुताबिक, यह फंगस जानलेवा है, क्योंकि फंगल संक्रमण में प्रयुक्त होने वाली दवाएं इस पर बेअसर हो रही हैं। यह खुलासा पीजीआई चंडीगढ़ के शोधकर्ताओं ने देश भर के अस्पतालों में किया है। जहां चुने गए 27 में से 19 आईसीयू में भर्ती मरीजों में यह संक्रमण मिला है। लंबे समय तक भर्ती रहने वाले मरीज प्रभावित : शोध के मुताबिक, अस्पतालों में लंबे समय तक भर्ती रहना खतरे से खाली नहीं है। डॉक्टरों के मुताबिक 45 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने वाले मरीजों में फंगस संक्रमण पाया गया है। जबकि 28 से कम दिन भर्ती रहे लोगों में इसका संक्रमण नहीं था। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा जारी अलर्ट में अस्पतालों को कहा गया है कि संक्रमण के ऐसे मामलों की तत्काल सूचना दें। इसके लिए पीजीआई चंडीगढ़ और पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट दिल्ली के दो विशेषज्ञों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिन्हें ऐसे मामलों के बारे में सूचित किया जाना है।

होटल का कमरा न खोलने पर पुलिस को फटकार

नई दिल्ली। राजधानी की एक निचली अदालत ने सुनंदा पुष्कर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद से दक्षिण दिल्ली के पंचतारा लीला होटल के बंद पड़े कमरे की सील नहीं खोलने के मामले में दिल्ली पुलिस को मंगलवार को फिर फटकार लगाई। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट धर्मेन्द्र सिंह ने पुलिस से कहा कि कमरा आज ही खोल दिया जाना चाहिए। मजिस्ट्रेट ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली पुलिस के संयुक्त आयुक्त अदालत के समक्ष उपस्थित होकर यह स्पष्ट करें कि अभी तक कमरा खोलने के उसके आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया? पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता शशि थरूर की पत्नी सुनंदा पुष्कर 17 जनवरी 2014 को होटल लीला के एक कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थीं और यह कमरा तब से ही पुलिस ने सील

सुनंदा मौत मामला

किया हुआ है। अदालत इससे पहले कमरे को खोलने का आदेश चुकी है। होटल प्रबंधन का कहना था कि कमरा बंद होने से उसे पचास लाख रपए से अधिक का नुकसान हो चुका है।

दिल्ली पुलिस ने रिपोर्ट सौंपकर कहा है कि फोरेंसिक प्रयोगशाला की रिपोर्ट का इंतजार है और इसलिए कमरा खोलने के लिए उसे और समय चाहिए। इस पर श्री सिंह ने यह निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा, क्या पुलिस यह चाहती है कि खुद उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए अदालत कमरा खोलने के लिए पहले ही आदेश दे चुकी है। आप इस संदर्भ में कानूनी परिणाम जानते हैं, उसके बाद भी आपका यह रवैया नहीं चलेगा।

किशोर को मारी टक्कर, तोड़फोड़, आरटीवी फूंकी

पूर्वी दिल्ली। भजनपुरा क्षेत्र में तेज रफ्तार आरटीवी ने सड़क पार कर रहे एक किशोर को टक्कर मार दी। हादसे में किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किशोर का नाम सादिक है। सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने आरटीवी में तोड़फोड़ की और उसमें आग लगा दी। केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित सादिक सपरिवार के साथ कर्दमपुरी में रहता है। मंगलवार सुबह वह अपने भतीजों को स्कूल छोड़कर वापस घर लौट रहा था। रास्ते में मौजपुर चौक के पास उसे आरटीवी ने टक्कर मार दी और वह घायल हो गया। घटना की जानकारी पाकर परिजनों व

पुलिस ने चार को लिया हिरासत में भजनपुरा क्षेत्र में तेज रफ्तार आरटीवी ने सड़क पार

उनके साथ पहुंचे लोगों ने यात्रियों से भरी आरटीवी में तोड़फोड़ शुर कर दी। किसी तरह आरटीवी में बैठे यात्रियों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। तोड़फोड़ से डरकर चालक व कंडक्टर आरटीवी वहीं छोड़कर भाग गए और गुस्साई भीड़ ने आरटीवी में आग लगा दी।

आरटीवी में आग लगाने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। उत्तर-पूर्वी जिला उपायुक्त एके सिंघला के मुताबिक पुलिस ने इस बाबत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। एक मामले में चालक के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश में है, जबकि दूसरे मामले में आरटीवी में आग लगाने वालों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है।

संपादकीय

विदेश नीति में दृढ़ता

भारत ने फिर विदेश नीति में अपनी दृढ़ता दर्शाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने अपनी अफगानिस्तान नीति का ऐलान करते हुए भारत से उस युद्ध-जर्जर देश में ज्यादा बड़ी भूमिका निभाने की अपील की थी। तब ट्रंप ने अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़ाने का इरादा जताया था। जाहिर है, ट्रंप की इच्छा है कि अफगानिस्तान में आतंकवादियों से लड़ाई का कुछ बोझ भारत भी उठाए। जबकि भारत की यह सुविचारित नीति है कि विदेशों में वह अपनी सेना सिर्फ शांति-रक्षण कार्यों के लिए भेजता है। किसी तीसरे देश में जाकर युद्ध में शामिल होना भारत की नीति नहीं है।

यही बात रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन ने नई दिल्ली आए अमेरिकी रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस से दो-टूक कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अफगानिस्तान में विकास संबंधी मदद तथा मेडिकल सुविधाएं मुहैया कराना जारी रखेगा, लेकिन भारतीय फौजियों को वहां नहीं भेजा जाएगा। इधर, मैटिस ने परोक्ष रूप से वो पैगाम भारत को देने की कोशिश की, जो ट्रंप का मंतव्य है। कहा- 'आतंकियों को कहीं भी सुरक्षित पनाहगाह मुहैया नहीं कराई जा सकती। विश्व नेता के रूप में भारत व अमेरिका को मिलकर इसके खात्मे के लिए काम करना चाहिए।

सीतारमन-मैटिस की वार्ता का निष्कर्ष यही है कि भारत अपनी स्वतंत्र एवं सुदृढ़ विदेश नीति से समझौता किए बगैर अमेरिका से ऐसे संबंध बना रहा है, जो इसके हित में हैं।

बेशक आतंकवादियों के अड्डों को खत्म करना भारत का भी मकसद है। लेकिन इसके लिए वह ऐसी रणनीति नहीं अपना सकता, जिसके लाभ स्पष्ट ना हों। अफगानिस्तान में अमेरिकी फौज 16 साल से मौजूद है। मगर वह तालिबान और दूसरे दहशतगर्द गुटों का सफाया नहीं कर सकी। बराक ओबामा के कार्यकाल में ज्यादातर अमेरिकी सैनिक लौटा लिए गए। अब ट्रंप ने ओबामा की नीति पलट दी है। लेकिन वे चाहते हैं कि इस जंग में दूसरे देश भी साझेदार बनें। स्वाभाविक है कि भारत ऐसे फैसले अपने लाभ-हानि का आकलन करते हुए करेगा। फिलहाल, उसके निर्णय से ट्रंप की मर्जी पूरी नहीं हुई है। मगर भारत अमेरिका से अपने रणनीतिक संबंधों की कीमत समझता है। इसी का परिणाम है कि सीतारमन और मैटिस में समुद्री सहयोग बढ़ाने पर सहज सहमति बनी। चीन से दोनों देशों के लिए खतरा बढ़ रहा है। चीनी नौसेना दक्षिण चीन सागर में मनमानी करने पर आमादा है। इस पृष्ठभूमि में उपरोक्त सहमति महत्वपूर्ण है। चीन किस हद तक भारतीय भावनाओं को आहत करता है, इसकी एक मिसाल संयुक्त राष्ट्र में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के भाषण पर उसकी प्रतिक्रिया भी है। वहां के एक सरकारी अखबार ने स्वराज के भाषण को असहिष्णुता करार दिया। 'ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में माना कि पाकिस्तान में आतंकवाद है, फिर भी वो पाकिस्तान के बचाव में खड़ा हुआ। सवाल उठाया कि जान-बूझकर दहशतगर्दी को बढ़ावा देने से आखिर पाकिस्तान को क्या फायदा होगा? जिस समय चीन ऐसी नीति पर चल रहा हो, राहत की बात है कि भारत-अमेरिका सहयोग प्रगाढ़ हो रहा है। और यह भी संतोष का पहलू है कि भारत अपनी स्वतंत्र एवं सुदृढ़ विदेश नीति से कोई समझौता किए बगैर अमेरिका से ऐसे संबंध बना रहा है, जो इसके हित में हैं।

जर्मनी का जनादेश

जर्मनी के चुनाव परिणाम दुनिया के लिए इस मायने में राहत भरी खबर है कि चांसलर एंजेला मर्केल फिर से सरकार बनाने में सफल हो सकती हैं। किंतु जिस तरह का विभाजित जनादेश आया है, उसमें भविष्य के बारे में कुछ भी कहना कठिन है। एंजेला मर्केल की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) और उसकी गठबंधन साथी क्रिश्चियन सोशल यूनियन (सीएसयू) को 32.8 प्रतिशत मत मिले हैं तो जर्मनी की प्रमुख विपक्षी पार्टी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी या एसपीडी को केवल 20.7 प्रतिशत वोट मिले हैं। यह इसलिए अहम है कि दोनों को मतों का नुकसान हुआ है। सत्तारूढ़ गठबंधन को यदि 8.7 प्रतिशत का नुकसान हुआ है तो एसपीडी को भी पांच प्रतिशत मतों का। इसका अर्थ हुआ कि जर्मन की राजनीति में इन दो धुरों के अलावा भी धुर खड़े हो रहे हैं। मर्केल के गठबंधन को बहुमत नहीं मिला है। इस जनादेश की एक व्याख्या यह है कि मर्केल के विरु द्ध धुर दक्षिणपंथी और आक्रामक राष्ट्रवादियों ने जो प्रचार किया उसका जनता के एक वर्ग पर असर हुआ है, अन्यथा मतों में इतनी कमी का कोई कारण नहीं हो सकता। दरअसल, मर्केल ने सीरिया के शरणार्थियों के प्रति जो सकारात्मक रु ख अपनाया उससे उनका विरोध बढ़ा। अगर उनकी पार्टी चुनाव हार जाती तो उसका मुख्य कारण यही माना जाता। धुर दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी डॉयचलांड या एएफडी को 13.2 प्रतिशत मत मिले हैं। यह विश्लेषकों के लिए भी चौंकाने वाला था। पिछले चुनाव में उसे केवल 4.7 प्रतिशत मत मिले थे। तो संसद में इस बार वह प्रभावी स्थिति में प्रवेश करने में सफल हो गया है। यही नहीं, ग्रीन पार्टी को 9.1 प्रतिशत एफडीपी को 10.4 प्रतिशत मिले हैं तो इस बार कई छोटी पार्टियां जर्मन की संसद बुंडेस्टाग में प्रवेश कर रही हैं। मर्केल को सत्ता चलाने के लिए इन पार्टियों में से कुछ से गठजोड़ करना पड़ेगा। अच्छा होता कि सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ गठबंधन हो जाता। लेकिन वह विपक्ष में बैठने की बात कर रही है। यह जर्मनी एवं पूरे यूरोप के लिए चिंताजनक है। इस समय जबकि यूरोप में अनिश्चय का माहौल है, उसमें जर्मनी का अस्थिर होना क्या परिणाम लाएगा कहना कठिन है। यूरोपीय संघ को बनाए रखने के लिए इसकी धुरी जर्मनी का स्थिर और सशक्त रहना आवश्यक है। यह देखना होगा कि मर्केल किन पार्टियों के साथ गठजोड़ करती हैं।

चौं रे चम्पू/अशोक चक्रधर

मंझोलाछाप निद्रा विशेषज्ञ

चौं रे चम्पू! कोई मजेदार बात बताय सकै?-हवाईजहाज में खिड़कीवाली सीट पर मैं सोना चाहता था। आंखें मुंदी थीं, अर्धसपनीला सा था। दाईं ओर एक सज्जन और उनके दाईं ओर एक और थे। बीच वाले तीसरे से तेज आवाज में कह रहे थे, ''मेरे लैपटॉप में डॉक्टर हैं साहिल के, डॉक्टर मैं भी हूं।' तीसरे ने पूछा, ''काहे के डॉक्टर हैं? ''मैं इंसोम्नियोलॉजिस्ट, निद्रा विशेषज्ञ हूं।' मैंने टोका, ''मुझे तो बड़ी तेज नींद आ रही है।' वे अविलंब बोले, ''ये एक रोग है।' मैंने विनोद कुमार शुक्ल शैली में कहा, ''बहुत दिन की नींद इकट्ठी हो जाए तो मुझे इकट्ठी ही आती है, बल्कि आगे आने वाली नींद भी इकट्ठी होकर पुरानी इकट्ठी में मिल जाती है।' वे बोले, ''ये भी एक रोग है।' --बड़े मजेदार आदमी ए!-उनका राइटिया बोला, ''जी मुझे तो नींद आती ही नहीं है।' अब वे उधर मुड़े, धीमी आवाज में बोले, ''अपच, थकान, टेंशन और चिंताएं हों, तो एक्यूट इंसोम्निया होता है। अपनी चिंताओं में समाज की चिंताएं भी मिल जाएं, मसलन जीएसटी, या पाकिस्तान-कश्मीर की तो विड़िड़ापन और डिप्रेशन के कारण क्रॉनिक इंसोम्निया हो जाता है। लेटते वक्त कान के कितने पास मोबाइल रखते हो?' राइटिया बोला, ''जी वहीं रहता है।' ''आंख के कितने पास?', ''लेटे-लेटे उसमें पढ़ता रहता हूं। पहले किताब पढ़ने नींद आती थी।' डॉक्टर का स्वर थोड़ा ऊंचा हुआ, ''मोबाइल से नहीं आएगी! उसका दुष्प्रभाव रेटिना से होते हुए पेट, लिवर, किडनी और पूरे स्नायु-तंत्र पर पड़ता है। मोबाइल को दो मीटर दूर रखा करिए।' तभी उनके ठीक आगे बैठी एक महिला ने उचक कर कहा, ''जी मुझे भी इधर लाते सर की तरह बहुत नींद आती है।' ''आपका फोन कौन सा है?' ''जी नोकिया पांच सौ पिचासी।' ''एक स्मार्ट फोन खरीदिए। उस पर वॉट्सएप, फेसबुक, वीचैट, स्काइप अकाउंट खोलिए, मित्र बनाइए। डेढ़-दो सौ मित्र बन जाएंगे तो नींद आना कम हो जाएगी।' मैंने फट से उनका विजिटिंग कार्ड मांगा। उस पर लिखा था, डॉ. अशोक चक्धर, एम.ए., पीएच.डी. हिन्दी। अरे, वे भी मेरी तरह साहित्य के मंझोलाछाप डॉक्टर निकले चचा!

परेशानियों के आसमान और भी हैं

हर्षवर्धन

अपने घाटे को कम करने के लिए एअर इंडिया कुछ खास पहल करने जा रहा है। हवाई अड्डों पर इस्तेमाल न होने वाले हैंगर स्पेस को छोड़ने के अलावा यहां पड़े कबाड़ को बेचने की बात भी कही गई है। ये तमाम कवायद उन्हीं प्रयासों की अगली कड़ी हैं, जो राजीव बंसल के नेतृत्व में एअर इंडिया प्रबंधन खुद को बेहतर बनाने के लिए पिछले एक महीने से कर रहा है। उल्लेखनीय है कि करीब एक माह पहले ही राजीव बंसल को एअर इंडिया की जिम्मेदारी दी गई है। उनसे पूर्व इस पद पर अश्विन लोहानी थे, जो करीब दो साल तक इसके चेयरमैन रहे। मगर उनकी छवि जुबानी जमा-खर्च में ज्यादा विश्वास करने वाले प्रबंधक की ही बनी। मगर अब ऐसा लग रहा है कि कुछ गंभीर कोशिशें हो रही हैं। हालांकि बंसल को भी यह जिम्मेदारी बतौर तीन महीने के अतिरिक्त प्रभार के रूप में दी गई है, यानी उनका यह पार्ट-टाइम असाइनमेंट है, पर उनके कदम सधे दिख रहे हैं।

अच्छी बात है कि एअर इंडिया अब सबसे ज्यादा जोर 'ऑन टाइम परफॉरमेंस' पर दे रहा है। इस परफॉरमेंस का अर्थ है, जहाजों का समय से उड़ान भरना। दरअसल, विमानन उद्योग में किसी हवाई सेवा की गुणवत्ता के दो मानक होते हैं- एक, ऑन टाइम परफॉरमेंस और दूसरा, हवाई जहाजों का रख-रखाव। जब 'ऑन टाइम परफॉरमेंस' बेहतर होता है, तो यात्रियों का रुझान उस हवाई सेवा की ओर बढ़ता है। आज दुनिया में जो भी एयरलाइंस बेहतर स्थिति में हैं, उसकी बड़ी वजह उनका बेहतर 'ऑन टाइम परफॉरमेंस' ही है। इससे उनमें यात्रियों का भरोसा बढ़ता है और जैसे-जैसे यह विश्वास बढ़ता जाता है, न सिर्फ उस हवाई सेवा की बुकिंग बढ़ती है, बल्कि वह प्रीमियम सेवा भी बनती जाती है। एयरलाइंस के प्रीमियम में आने का कितना फायदा होता है, यह अपने यहां इंडिगो की अब तक की यात्रा को देखकर समझा सकते हैं। यह सही है कि अपेक्षाकृत कम किराये वाली एयर सेवा के बाजार में आने से 'इन फ्लाइट सर्विस' (हवाई जहाज के अंदर मुहैया कराई जाने वाली सेवाएं) का महत्व धीरे-धीरे खत्म हो गया है। मगर इंडिगो आज अगर सबसे महंगा यात्रा-टिकट बेच रही है, तो इसकी वजह यात्रियों की प्राथमिकता में हवाई जहाज की गुणवत्ता और 'ऑन टाइम परफॉरमेंस' का शामिल होना है। जबकि इंडिगो सेवा जब शुरू हुई थी, तो इसका टिकट अपेक्षाकृत सस्ता हुआ करता था। स्पष्ट है, 'ऑन टाइम परफॉरमेंस' हवाई सेवा को प्रीमियम बनाने में काफी कारगर है।

एअर इंडिया के नए प्रबंधन ने दूसरा अच्छा फैसला यह लिया है कि जिन लोगों की उम्र सेवानिवृत्त-आयु को पार कर चुकी है, उन्हें बाकायदा सेवा से मुक्त कर रहा है। पहले होता यह था कि रिटायर के बाद भी कर्मियों को फिर से नियुक्त किया जाता था। इससे संगठन में एकरसता आ गई थी। नए लोगों की भर्ती होने से नई स्फूर्ति तो आती ही है, नया जोश भी दिखता है। एअर इंडिया में फिलहाल ऐसा ही जोश दिख रहा है। तीसरा प्रयास 'रूट कॉरंट' (यात्रा व्यय) को कम करने पर ध्यान देना है, जिसमें फिलहाल समय लगेगा। हालांकि यदि 'ऑन टाइम परफॉरमेंस' को ही बेहतर बना लिया जाए, तो मेरा मानना है कि मुनाफा कमाने और लागत में बचत करने जैसे मोर्चे पर पांच से दस प्रतिशत का फायदा एअर इंडिया को हो सकता है। इसका एक गणित यह भी है कि देर से चलने वाली फ्लाइट में तमाम तरह की दूसरी लागत बढ़ जाती है। यात्रियों को न सिर्फ अतिरिक्त सुविधाएं दी जाती हैं, बल्कि फ्लाइट को दोबारा 'शिड्यूल' भी करना होता है।

> एअर इंडिया की लगत और इसके खर्च का एंतर काफी बड़ा है, इसलिए इसे महज दो-चार दिनों के प्रयास से नहीं पाटा जा सकता।

लिहाजा एअर इंडिया को उबारने के मौजूदा प्रयास सही दिशा में हैं। मगर इसकी लागत और खर्च का अंतर काफी बड़ा है, इसलिए इसे महज दो-चार दिनों के प्रयास से नहीं पाटा जा सकता। इसके लिए अनवरत काम करना होगा। अभी एअर इंडिया को सबसे अधिक प्रयास अपने राजस्व को बढ़ाने की दिशा में करना होगा। मेरा मानना है कि खर्च में कटौती की कोशिशें ज्यादा प्रभावी नहीं होने वाली। दिक्कत यह भी है कि अब तक एअर इंडिया का प्रबंधन जिन लोगों के हाथों में रहा है, उन्होंने खर्च में कटौती पर ही ज्यादा जोर दिया। इसके मुख्यत- दो तरह के बड़े खर्च हैं- एक, कर्ज पर चुकाया जाने वाला ब्याज और दूसरा, ईंधन पर आने वाला खर्च। और इन दोनों पर प्रबंधन का कोई बस नहीं है, क्योंकि ब्याज की दर नियत है और ईंधन के दाम भी अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से तय होते हैं। इसलिए खर्च में कटौती एक सीमा तक ही हो सकती है। अलबत्ता, इससे बाजार में भी गलत संदेश जाता है। असल में, खर्च बचाने वाले कुशल प्रबंधन का होना और खर्च में कटौती करना, दोनों अलग स्थिति है। हमें दोनों में फर्क को समझना होगा।

फिलहाल यह कहना जल्दबाजी है कि जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे किस हद तक कारगर होंगे। मगर अच्छी बात यह है कि ये तमाम कदम एअर इंडिया प्रबंधन अपने तईं उठा रहा है, सरकार का इसमें कोई दखल नहीं है। वैसे भी, सरकार इसे बेचने की बात ही कहती रही है; इसे बचाने की कोई ठोस रणनीति उसके पास नहीं दिखती। बेशक वह भी एक सीमा तक ही प्रयास कर सकती है, पर सार्वजनिक क्षेत्र की इन कंपनियों को उबारने के सीमित प्रयास भी करती सरकार नहीं दिख रही। कुल मिलाकर, एअर इंडिया अपनी सेवा-गुणवत्ता को सुधारे और अपनी छवि निखारे। प्रतिस्पर्द्धा का एक पहलू टिकटों को अपेक्षाकृत कम दामों में बेचना जरूर है, पर यह किसी एयरलाइंस की मजबूरी नहीं होनी चाहिए। कम मूल्य के टिकट के आधार पर यात्रियों को आकर्षित करना एक अलग बात है और अपनी गुणवत्ता के आधार पर यात्रियों को अपनी ओर खींचना बिल्कुल अलग। उम्मीद है कि एअर इंडिया अपनी गुणवत्ता के आधार पर यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित कर सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मौत का खेल

किशोर मन की भी करें पड़ताल

हर्षदेव

हरियाणा में 17 साल के करन ठाकुर ने ब्लू व्हेल गेम के दुष्चक्र में फंसकर खुदकुशी कर ली। राज्य में इस तरह का यह पहला दुखद हादसा है। मध्यप्रदेश के राजगढ़ में भी एक किशोर ने आत्महत्या की तैयारी कर ली थी, सौभाग्य से उसकी शिक्षिका ने उसे बचा लिया। दसवीं के छात्र रमेश को धमकी दी गई थी कि यदि उसने गले में फंदा लगाकर नहीं देखा तो उसके माता-पिता को मार डाला जाएगा। खेल के नाम पर किशोरों के लिए कैसा मकड़जाल है, जो उन्हें मौत के मुंह में कूद पड़ने को मजबूर कर देता है। आगरा की दो किशोरियों को घर से भागने की बेहूदी चुनौती दे दी गई, जिसे पूरा करने के लिए वे पंजाब मेल में जा बैठीं।

जोखिम उठाने या हिम्मत दिखाने के धोखे में फंसकर खुद अपने ही हाथों जीवन खत्म करने का जंजाल भारत में आधा दर्जन से ज्यादा और पूरी दुनिया में करीब 100 किशोरों की जान ले चुका है। यह नकली रोमांच किशोरों को जीवन की हकीकत से दूर, फैंटेसी की दुनिया में ले जाकर तबाह कर देता है।

ब्लू व्हेल गेम भारत के लिए भले ही एक नई समस्या है, लेकिन रूस में यह काफी दिन से किशोरों के लिए खतरा बना हुआ है। इसकी 2013 में ईजाद भी रूस की ही एक 17 साल की लड़की ने किया, जो अब जेल में है। उस लड़की के साथ ही एक ऐसे शख्स को भी पकड़ा गया है जो इस काम में मददगार था और इस किशोरी को गेम में जोड़ने के लिए नए-नए रोमांचक खतरों का 'आइडिया' देता था।

मौत के इस खेल में केवल किशोरों को ही जोड़ा जाता है। इस मकसद के लिए सोशल मीडिया पर पहले एक ग्रुप बनाया जाता है। जो एक-दूसरे को नए रोमांच के लिए उकसाते हैं। सब हमराज बन जाते हैं। उन्हें धमकाया भी जाता है। एक बार इस कथित खेल के चंगुल में फंसने के बाद 'एडवेंचर' के कौतूहल की उम्र के ये किशोर अपनी टोली के अन्य सदस्यों से सम्बन्ध तोड़ने की हिम्मत नहीं कर पाते और सम्मोहन जैसी हालत में वही करते चले जाते हैं, जो उनसे कहा जाता है। इस खेल का चक्र 50 दिन में पूरा होता है। इसमें 50 करतब पूरे करने होते हैं, इसके लिए नई-नई चुनौतियां दी जाती हैं। कई बार किशोर को अपने परिवार के सदस्य की हत्या करने तक की चुनौती दी जाती है। किशोरों से कब्रिस्तान में जाकर रात बिताने, डरावनी फिल्में देखने, दिल दहलाने वाले गाने सुनने, किसी नजदीकी को मरते हुए देखने और फिर ऊंची इमारत से छलांग लगाने को उकसाया जाता है।

कई यूरोपीय देश किशोरों को इसके चंगुल में फंसने से बचाने के उपायों पर विचार कर रहे हैं। फ्रांस और ब्रिटेन आदि देश इसे रोकने के लिए अपने विभागों को निर्देश दे चुके हैं।

मुंबई के अंधेरी (पूर्व) में 14 साल के एक लड़के ने सातवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। इसी तरह बंगाल के पश्चिम मिदनापुर जिले में 15 वर्ष के एक किशोर ने गला बांधकर आत्महत्या कर ली। कोलकाता के 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र को उसके दोस्तों और अध्यापकों ने काफी कोशिशों के बाद अपनी जान लेने से रोका। तमिलनाडु के मदुरै में 19 वर्ष के छात्र ने गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। उसके बाएं हाथ पर व्हेल का चित्र बना हुआ था। वहीं से तीन अन्य बच्चों के आत्महत्या करने की भी खबर है। केरल से भी इसी तरह की एक घटना की जानकारी मिली है। एक लड़के को खुदकुशी से बचा लिया गया तो उसने दूसरी बार भी ऐसी ही कोशिश की। उत्तर प्रदेश में 13 साल के पार्थ सिंह नाम के छठवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

इस समस्या से निपटना है तो उसका जिम्मा सोशल साइट्स चलाने वाली कम्पनियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। समाजशास्त्रियों को आगे आना चाहिए और उन कारणों को दूर करने के उपाय सुझाने चाहिए जिनके रहते किशोर अपना अकेलापन दूर करने, मनोरंजन करने या नए दोस्त बनाने के नाम पर इस चक्व्यूह के चंगुल में फंस जाते हैं।

समाजशास्त्री पड़ताल करें कि आखिर वे कौन सी परिस्थितियां हैं, जो बच्चे को एकान्तप्रिय बनाती हैं, उसको अकेलापन महसूस कराती हैं, उसे अपने परिवार, दोस्त और समाज से दूर ले जाती हैं? यदि इन प्रश्नों का उत्तर मालूम कर लिया गया तो किशोर जीवन से सम्बंधित अनेक समस्याओं को हल करने की चाबी हमारे पास होगी। हम उनकी स्कूली कठिनाइयों, पढ़ाई से जुड़ी परेशानियों और घर-परिवार की मुश्किलों का समाधान भी आसानी से कर सकेंगे। मगर जब तक हम किशोरों के पारिवारिक वातावरण, सामाजिक सम्बंधों, निजी जीवन और शिक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल नहीं करेंगे, तब तक ऐसी मनोवैज्ञानिक समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।

मुद्दा

मुखरता का खमियाजा

राजीव मंडल

यह लड़कियों के मुखर होने, अपने अधिकारों को लेकर जुझारू प्रवृत्ति दिखाने और खुदमुख्तार होने का प्रदर्शन भर नहीं बल्कि कहीं बहुत आगे की बात है। भले कुछ लोग इसे छात्राओं पर हर तरह की बंदिश लगाने और विविद्यालय प्रशासन की दकियानूसी सोच पर चोट करने का तरीका भर कहकर इस लड़ाई को हल्का कहने का जिललिजा तर्क रखें, लेकिन इससे कौन इनकार कर सकता है कि देश बदल रहा है? विश्व के बेहतरीन शैक्षणिक प्रतिष्ठानों में शुमार काशी हिन्दू विविद्यालय में हाल के वर्षों में वहां की लड़कियां जिन अनर्गल नियम-कायदों को मानने के लिए मजबूर हैं, आप यह कतई नहीं कह सकते कि लड़कियों की मांग अनैतिक, अवैध, बिल्कुल गलत और राजनीति से प्रेरित थी।21 वीं सदी का कोई कुलपति छात्राओं से लैंगिक भेदभाव वाले नियमन कैसे दे सकता है।यह भेदभाव पढ़ाई से लेकर खानपान और सुरक्षा तक है। ऐसे आदेश विस्मित करते हैं। छात्राओं का विवश गुस्सा विविद्यालय प्रशासन और छात्राओं के गार्जियन कुलपति की चुप्पी और उनके काहिलपन पर निकलता है। एक पिता, भाई, मां, बहन और तमाम रिश्तों के दायरे में रहकर देखा जाए तो लड़कियों की मांगें क्या थीं? यही न कि लड़कियों से जो सरेआम छेड़खानी होती है, उसे रोकने के अंतिम और असरकारक उपाय किए जाएं..सीसीटीवी कैमरे महत्वपूर्ण जगहों पर लगाए जाएं..जहां अंधेरा है, वहां रोशनी के प्रबंध किए जाएं..साथ ही सख्त-सक्षम सुरक्षा गार्ड तैनात किये जाएं..। अब इनमें आपत्तिजनक क्या है? इसके उलट शर्मनाक हालात तो तब पैदा होते हैं, जब इस दिशा में कुछ नहीं किया जाता है और मामले को साम-दाम-दंड-भेद से दबाने और कुचलने की कुत्सित कवरतू को अंजाम दिया जाता है। लड़कियां अगर अपनी आजादी की मांग भी कर रही हैं तो कौन-सा गुनाह कर रही हैं? आखिर सारे नियम-कायदे-कानून उन्हीं पर थोपने की जिद क्यों? हॉस्टल कैंटीन में लड़कियां ही शाकाहार क्यों खाएं? क्यों लड़के ही 10 बजे रात तक बाहर रहें या जो मन करे पहने? महीनों से लड़कियों के साथ न केवल छेड़खानी की वारदात हो रही थी बल्कि उन्हें यह अहसास भी कराया जा रहा था कि तुम लड़कों की तरह रहने-खाने-पीने-सोचने और पहनने की बात भूल से भी मत सोचो। अगर सोचा तो लाठियां बरसेंगी, तुम्हारा चरित्रहनन होगा और फिर तुम इस लायक नहीं रहोगी कि कुछ बेहतर करने के बारे में सोच भी सको।दुखद यह सब इसलिए कि परिसर में लड़कियों को समानता के स्तर पर भी सोचने नहीं दिया जा रहा है। फिर ''जेंडर इक्वलिटी' की बात ही बेमानी है। आजाद ख्याल होने की जितनी भी तकरीरें हैं, वे सब लड़कों के पक्ष की हैं। लड़कियां तो बस चुप्पी की चादर तले अपनी पढ़ाई कर लें बस। क्या ऐसे ही देश बढ़ेगा..बदलेगा? कोढ़ में खाज यह कि महिला शिक्षक भी छींटाकशी और छेड़खानी की शिकार होती हैं। लेकिन वे क्या करें? लड़कियां तो इसलिए मोर्चे पर आई कि जो कुछ उन लोगों के साथ हो रहा था, उसमें अब सहने को कुछ नहीं बचा था। यानी एकमात्र विकल्प सड़क पर उतरना ही था। और यह स्वत- स्फूर्त था। आमतौर पर छात्रों के आंदोलन ऐसे ही चरित्र के होते हैं। न तो उनका कोई नेता होता है, न वह किसी सियासी संगठन के साथ मिलकर विरोध करते हैं। यही वजह है कि छात्रों के आंदोलन बहुत कम वक्त तक जिंदा रहते हैं और उनके निर्णय क्षणभंगुर होते हैं। बीएचयू में लड़कियों का विरोध प्रदर्शन भी कमोबेश ऐसा ही चरित्र लिये था। लाजिमी है, इसमें उन तत्वों ने भी घुसपैठ कर ली, जो सिर्फ अपनी नेतागिरी चमकाना चाहते थे।इसके बावजूद छात्राओं की मांग पर संजीदगी से विचार करने और इसका हल निकालने का प्रयत्न विविद्यालय प्रशासन खासतौर पर कुलपति गिरीश चंद्र त्रिपाठी को करना चाहिए था। छात्राओं की मांग कोई चांद-तारे तोड़कर लाने की नहीं थी। कुलपति को सभास्थल पर बुलाने की मांग भी मर्यादा से बाहर नहीं है। आखिर समस्याओं को साहस के साथ निपटाने का भार तो कुलपति को ही उठाना चाहिए था। उस जिम्मेदारी से भागकर कुलपति ने न केवल अपनी अदूरदर्शिता का परिचय दिया बल्कि उनके वक्तव्य उनके पद के अनुरूप बिल्कुल नहीं थी। अगर बीएचयू जेएनयू बनने की तरफ अग्रसर है भी तो इसमें क्या गलत है! आप इसका तनाव मत लीजिए कि परिसर का माहौल मैला-कुचैला और दागदार हो जाएगा। अगर आपके हिसाब से यह ''दाग' है तो भी ये अच्छे हैं।

सार समाचार

ट्विटर पर जल्द दोगुना लिख सकेंगे, अक्षर सीमा बढ़ाने पर चल रहा विचार

सैन फ्रांसिस्को। अभी हम लोगों में से ट्विटर का इस्तेमाल कई लोग मात्र इसलिए नहीं करते क्योंकि उस पर लिखने की सीमा मात्र 140 अक्षर है। लेकिन ट्विटर ने घोषणा की है कि वह जल्द ही इस सीमा को दोगुना बढ़ाकर 280 अक्षर कर सकता है ताकि सोशल मीडिया क्षेत्र में वह अपना विस्तार कर सके। कंपनी ने इस संबंध में एक प्रायोगिक परीक्षण की अनुमति दी है। ट्विटर ने कहा कि यह नयी सीमा उसकी 140 अक्षर की पहचान के साथ एक बड़ा परिवर्तन होगा। ट्विटर के कई उपयोक्ताओं के लिए यह 'खीझ का बड़ा कारण' है और इसी को दूर करने के लिए वह इस नयी सीमा का परीक्षण करेगी। ट्विटर के मुख्य कार्यकारी जैक डोरसे ने बताया कि 280 अक्षरों वाला पहला ट्वीट कैसा हो सकता है? उन्होंने ट्वीट किया, ''यह एक छोटा बदलाव है, लेकिन हमारे लिए बहुत बड़ा कदम है। 140 अक्षरों की सीमा को हमने अपनी मर्जी से चुना था। इस बात पर गर्व है कि हमारे पास कितनी विचारवान टीम है जिसने ट्वीट करने की कोशिश करने वालों की वास्तविक समस्या को हल करने के लिए काम किया है।'' कंपनी ने कहा कि शुरूआत में उपयोक्ताओं के एक 'छोटे समूह' को ही 280 अक्षर की सीमा वाला ट्वीट करने का विकल्प दिखेगा। यह तब तक रहेगा जब तक कंपनी इस बदलाव को पूरी तरह लागू करने का निर्णय नहीं ले लेती।

फ्लोरिडा में 'इरमा' तूफान से मरने वालों की संख्या हुई 72

मियामी। फ्लोरिडा में 'इरमा' तूफान की वजह से जान गंवाने वालों की संख्या 72 हो गई। इरमा ने 10 सितंबर को यहां तबाही मचाई थी। 'फ्लोरिडा डिवीजन ऑफ इमरजेंसी मैनेजमेंट' (एफडीईएम) के प्रवक्ता अल्बर्ट मॉस्कोसो ने कल 'एएफपी' को आधिकारिक मृतक संख्या 54 होने की आधिकारिक की थी। लेकिन इस आंकड़े में फ्लोरिडा कीज के आठ पीड़ित और वह 10 बुजुर्ग पीड़ित शामिल नहीं थे, जिनकी मौत मियामी के उत्तर में स्थित एक नर्सिंग होम में इलाज के दौरान हो गई थी। मुनरो में काउंटी कॉरोनर्स ने एफडीईएम को मृतकों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि नहीं की है लेकिन काउंटी के ट्विटर अकांउट के अनुसार यहां तूफान में आठ लोग मारे गए हैं। एफडीईएम के अनुसार मौत के प्राथमिक कारण डूबना, घातक चोटें और कार्बन मोनो ऑक्साइड की विषाक्तता है। इरमा से कैरेबियन द्वीप समूह में कम से कम 40 लोग मारे गए थे, जिससे मरने वालों की संख्या कम से कम 112 हो जाती है।

यूक्रेन के हथियार डिपो में आग लगने से विस्फोट, लोगों हटाया गया

कीव। यूक्रेन के युद्धक सामग्री के डिपो में आग लगने से वहां रखे गोलों में विस्फोट हो गया। घटना के कारण वहां 50 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले सैन्य-असैन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। यूक्रेन की सेना के हाई कमान ने फेसबुक पर लिखा है कि मध्य विनित्सिया प्रांत के कालेनिवका स्थित डिपो में रात करीब 10 बजे आग लगी। इस वर्ष यूक्रेन के हथियार डिपो में आग लगने की यह दूसरी बड़ी घटना है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है, लेकिन सेना इस मामले में किसी प्रकार की संभावित गड़बड़ी की जांच कर रही है। समाचार पोर्टल 'प्रावदा' ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि पुलिस प्रवक्ता यारोस्लाव तराकालो के मुताबिक, आग के कारण वहां मौजूद गोलों में एक-एक कर विस्फोट हुआ। विस्फोट से कितना नुकसान हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं है। स्थानीय मीडिया की मानें तो यह देश का सबसे बड़ा हथियार डिपो है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, घटना के बाद करीब आधी रात को ही प्रधानमंत्री वोलोदीमिर ग्रोयसैन मौके पर पहुंच गये थे। विस्फोट से कुछ रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा है।

ऑस्ट्रिया की राजधानी विएना में रहने वाले कुर्दिश लोगों ने संसद भवन के बाहर कुर्दिश रिफ्रेंडम के हक में रैली निकाली। मालूम हो कि सोमवार को कुर्दिस्तान में हुए जनमत संग्रह में बढ़ चढ़कर लोगों ने हिस्सा लिया था।

हाफिज सईद की नजरबंदी एक अन्य महीने के लिए बढ़ाई

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अधिकारियों ने यह कहते हुए मुम्बई आतंकवादी हमले के सरगना हाफिज सईद की नजरबंदी एक महीना बढ़ा दी है कि उसकी गतिविधियां देश में शांति के लिए खतरा है। जमात-उद-दावा का प्रमुख सईद इस वर्ष 31 जनवरी से नजरबंद है। पंजाब गृह विभाग ने एक आदेश जारी करके सईद और उसके चार सहयोगियों अब्दुल्ल उबेद, मलिक जफर इकबाल, अब्दुल रहमान आबिद और काजी काशिफ हुसैन की नजरबंदी 25 सितम्बर के प्रभाव से 30 दिन के लिए बढ़ा दी।

सईद की नजरबंदी का पिछला आदेश 28 जुलाई को जारी किया गया था। पंजाब सरकार ने 31 जनवरी को आतंकवाद निरोधक अधिनियम 1997 के तहत सईद और उसके चार सहयोगियों को 90 दिनों के लिए नजरबंद किया था। पंजाब गृह विभाग ने अपने हालिया आदेश में कहा ''जमात-उद-दावा और फलाह-ए-इंसानियत ने उसकी अपेक्षित रिहाई पर देश में अराजकता फैलाने की साजिश रची है। उन्होंने सईद के नेतृत्व में प्रदर्शन करने की साजिश रची है। उसे नायक के रूप में चित्रित किया जाता और उसकी गतिविधियों का महिमामंडन किया जाता।'' अधिसूचना में कहा गया है कि जमात-उद-दावा के केन्द्रीय नेता अब्दुल रहमान मक्की उसकी (सईद) की रिहाई के लिए तैयारियां कर रहा था।

इसमें कहा गया है, ''परिवहन की व्यवस्था की जा रही थी और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों के खिलाफ जरूरत पड़ने पर अपनी ताकत दिखाने और उपयोग करने के लिए हथियार भी जमा किये जा रहे थे। सईद की रिहाई शांति और सुरक्षा के लिए लगातार खतरा है।'' अधिसूचना में कहा गया है कि जिला खुफिया कमेटी लाहौर ने अलग से कहा है, ''ऐसी आशंका है कि सईद रिहा होने पर कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के लिए खतरा पैदा करेगा।'' अतिरिक्त गृह सचिव एम आर आजम सुलेमान ने कहा कि सईद की गतिविधियां ''जन सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए नुकसानदह है।''

इस बीच सईद ने उसकी नजरबंदी और 30 दिन के लिए बढ़ाये जाने के नये आदेश के खिलाफ लाहौर उच्च न्यायालय में आज एक नई याचिका दायर की। न्यायमूर्ति सैयद मजहर अली अकबर नकवी ने गृह विभाग के उस अनुरोध को ठुकरा दिया जिसमे मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए याचिका की सुनवाई बंद कमरे में करने के लिए कहा गया था। जज ने मामले की सुनवाई दो अक्टूबर तक स्थगित कर दी। जमात-उद-दावा

के नेताओं के वकील ए के डोगर ने दलील दी कि सरकार ने केवल आशंका के आधार पर याचिकाकर्ताओं को हिरासत में लिया है। सईद के प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा संगठन को वर्ष 2008 में मुम्बई में हुए हमले के लिए जिम्मेदार माना जाता है। भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों में इस संगठन की संलिप्तता होने के आरोप है। वर्ष 2014 में अमेरिका ने इसे एक विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में घोषित किया था।

सऊदी अरब में महिलाओं को मिली गाड़ी चलाने की आजादी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

सऊदी अरब ने कहा कि वह महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति देगा और उसके इस फैसले से महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी सोच रखने वाले इस देश में सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी। सऊदी अरब ऐसा करने वाला दुनिया का आखिरी देश है। महिलाओं के गाड़ी चलाने पर लंबे समय से लगे प्रतिबंध को इस खाड़ी देश में महिलाओं के दमन के रूप में देखा जाता है और महिला कार्यकर्ताओं के वर्षों के संघर्ष के बाद यह कदम उठाया गया है। सऊदी के सरकारी टीवी ने कहा, ''शाह सलमान बिन अब्दुलाजीज अल सौद ने एक आदेश जारी कर देश में महिलाओं के लिए ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की अनुमति दी है। यह आदेश जून 2018 से लागू होगा।''

घोषणा में कहा गया है कि तब तक सऊदी अरब लाइसेंस देने की अपनी सुविधा को बढ़ाने और लाखों नए चालकों के लिए बुनियादी ढांचा सुविधाएं बढ़ाने की तैयारी करेगा। सऊदी अरब के इस फैसले का देश से लेकर विदेश में काफी स्वागत किया जा रहा है। सऊदी शूरा काउंसिल सदस्य लतिफाह अल्शालान ने ट्वीट कर कहा, ''एक शानदार दिन। मैं अपने आंसू नहीं रोक पायी। मेरे देश की महिलाओं को बधाई।'' वर्ष 2011 के ''वुमेन2ड्राइव'' आंदोलन का नेतृत्व करने वाली कार्यकर्ता मनाल अल शरीफ ने ट्वीट किया, ''आज, महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति देने वाला धरती का आखिरी देश, हमने कर दिखाया।'' इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब में 'आधी आबादी' को गाड़ी चलाने की अनुमति देने के फैसले की सराहना करते हुए इसे एक ''सकारात्मक कदम'' बताया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव सारा सैंडर्स ने कहा कि ट्रंप ने महिलाओं को गाड़ी चलाने का अधिकार देने के सऊदी अरब के फैसले की ''सराहना'' की। सैंडर्स ने कहा, ''सऊदी अरब में महिलाओं के अधिकारों और उनके लिए अवसरों का प्रचार करने की ओर यह सकारात्मक कदम है।'' उन्होंने एक बयान में कहा, ''हम ऐसे सुधारों के जरिए सऊदी समाज और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के सऊदी अरब के प्रयासों और सऊदी विजन 2030 लागू करने में उसका समर्थन करते रहेंगे।'' विदेश विभाग की प्रवक्ता हीथर नोर्ट ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम खुश हैं। हम निश्चित रूप से यह सुनकर खुश हैं। सऊदी की महिलाएं अब गाड़ियां चला सकती हैं। यह उस देश के लिए सही दिशा में उठाया गया अच्छा कदम है।'' एमनेस्टी इंटरनेशनल ने सऊदी अरब के फैसले का स्वागत किया है। पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका के लिए एमनेस्टी इंटरनेशनल्स रिसर्च एंड एडवोकेसी निदेशक फिलिप लूथर ने कहा, ''यह महिलाओं की बहादुरी का सबूत है जो कई वर्षों से अभियान चला रही थीं जिससे सऊदी अरब की सरकार नरम पड़ी और महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति दी।''

पाकिस्तान के वित्त मंत्री पर आरोप तय, डार ने आरोपों से किया इनकार

अरबिल (इराक) (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। भ्रष्टाचार-निरोधी अदालत ने पनामा पेपर्स कांड की सुनवायी के दौरान आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के मामले में पाकिस्तान के वित्त मंत्री इस्हाक डार पर आज भ्रष्टाचार के आरोप तय किये। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बेहद करीबी नेता ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उनके पास आय से अधिक संपत्ति नहीं है। गौरतलब है कि डार पर आरोप तय करने से महज एक दिन पहले ही जवाबदेही अदालत ने तय किया था कि वह दो अक्टूबर को शरीफ के खिलाफ आरोप तय करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री कल पहली बार पनामा पेपर्स कांड में भ्रष्टाचार के मामले को अदालत में पेश हुए।पनामा पेपर्स लीक के बाद डार भ्रष्टाचार के विवादों में घिर गये। इन दस्तावेजों के अनुसार, शरीफ सहित उनके आसपास के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के पास अघोषित संपत्ति है। भ्रष्टाचार-निरोधी संस्था राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने आठ सितंबर को डार के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति रखने के मामले में मुकदमा दर्ज किया था। गौरतलब है कि 28 जुलाई को पनामा पेपर्स कांड में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद यह मुकदमा दर्ज किया गया था। शीर्ष अदालत ने नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के लिए अयोग्य ठहराते हुए उनके तथा उनके बच्चों मरियम, हुसैन और हसन तथा दामाद मुहम्मद सफदर के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा चलाने का आदेश दिया था।

डार जब आज सुनवायी के लिए पहुंचे तो जवाबदेही अदालत के बाहर अफरा-तफरी का माहौल था। पत्रकारों को अदालत कक्ष के भीतर जाने की अनुमति नहीं थी। वित्त मंत्री को भी अदालत कक्ष के भीतर जाने से पहले कम से कम 20 मिनट के लिए बाहर इंतजार करना पड़ा। मंत्री ने जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मुहम्मद बशीर द्वारा पढ़े गये आरोपों को स्वीकार करने से मना कर दिया और कहा कि उनकी संपत्ति उनकी आय के अनुरूप ही है और सुनवायी के दौरान वह इसे सबूतों की मदद से साबित कर देंगे। अदालत ने एनएबी को सबूत पेश करने का आदेश दिया और एनएबी के अभियोजक ने अपने आरोपों के समर्थन में पेश करने लिए 28 गवाहों की सूची दी है। डार ने अदालत से अनुरोध किया कि वह सुनवायी के दौरान उन्हें व्यक्तिगत पेशी से भी छूट दे। अदालत ने कहा कि वह इस पर बाद में फैसला करेगी। अदालत ने फिलहाल मामले की सुनवायी चार अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। हालांकि पहले अदालत ने इस मामले की सुनवायी रोजमर्रा के आधार पर करने की घोषणा की थी।पाकिस्तानी कानून के अनुसार दोषी करार दिये जाने तक डार बतौर मंत्री अपने पद पर बने रह सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के फैसले का किया स्वागत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महिलाओं के लिए रूढ़िवादी सोच रखने वाले सऊदी अरब में 'आधी आबादी' को गाड़ी चलाने की अनुमति देने के फैसले की सराहना करते हुए इसे एक ''सकारात्मक कदम'' बताया। सऊदी अरब के शाह सलमान ने अगली गर्मियों में पहली बार महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति देने का कल आदेश दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव सारा सैंडर्स ने कहा कि ट्रंप ने महिलाओं को गाड़ी चलाने का अधिकार देने के सऊदी अरब के फैसले की ''सराहना'' की।

सैंडर्स ने कहा, ''सऊदी अरब में महिलाओं के अधिकारों और उनके लिए अवसरों का प्रचार करने की ओर यह सकारात्मक कदम है।'' उन्होंने एक बयान में कहा, ''हम ऐसे सुधारों के जरिए सऊदी समाज और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के सऊदी अरब के प्रयासों और सऊदी विजन 2030 लागू करने में उसका समर्थन करते रहेंगे।'' विदेश विभाग की प्रवक्ता हीथर नोर्ट ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम खुश हैं। हम निश्चित रूप से यह सुनकर खुश हैं। सऊदी की महिलाएं अब गाड़ियां चला सकती हैं। यह उस देश के लिए सही दिशा में उठाया गया अच्छा कदम है।'' एमनेस्टी इंटरनेशनल ने सऊदी अरब के फैसले का स्वागत किया है। पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका के लिए एमनेस्टी इंटरनेशनल्स रिसर्च एंड एडवोकेसी निदेशक फिलिप लूथर ने कहा, ''यह महिलाओं की बहादुरी का सबूत है जो कई वर्षों से अभियान चला रही थीं जिससे सऊदी अरब की सरकार नरम पड़ी और महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति दी।''

भारत को सुरक्षा परिषद् की सदस्यता के समर्थन में प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) में दो प्रभावी सांसदों द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के समर्थन में एक प्रस्ताव पेश किया गया। सांसदों ने कहा कि अब समय आ गया है कि बढ़ती वैश्विक समृद्धि में भारत की भूमिका को स्वीकार किया जाए। इस प्रस्ताव को सदन की विदेश मामलों की समिति के वाइस रैंकिंग सदस्य और सांसद अमी बेरा और भारत तथा भारतीय अमेरिकियों पर बने संसदीय कॉकस के संस्थापक सांसद फ्रैंक पेलोन ने पेश किया।

इस प्रस्ताव के जरिए सदन आधिकारिक रिकॉर्ड में भारत की दावेदारी का समर्थक करने वाला बन जाएगा। वर्तमान में इस प्रस्ताव के पास सात सह-प्रायोजक हैं। बेरा ने कहा, ''विश्व का प्राचीनतम और सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते अमेरिका और भारत समान मूल्यों को साझा करते हैं और कई क्षेत्रों में उनकी साझेदारी बढ़ रही है, खासकर रक्षा सहयोग में।'' उन्होंने कहा, 'भारत अमेरिका के लिए रणनीतिक साथी के तौर एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और दक्षिण एशिया में स्थिरता का मजबूत स्तंभ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के पांच स्थायी सदस्य विश्व को उस प्रकार प्रतिबिंबित करते हैं जैसा वह 60 साल पहले था और अब समय आ गया है कि बढ़ती वैश्विक समृद्धि में भारत की भूमिका को स्वीकार किया जाए।'

बेरा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत के लिए स्थायी जगह सुनिश्चित करने से विश्व भर में लोकतंत्र मजबूत होगा। पेलोन ने कहा, 'ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है, हमें उन राष्ट्रों को सशक्त और स्वीकार करना चाहिए जो हमारे लंबे समय से चले आ रहे मूल सिद्धांतों को साझा करते हैं।' पेलोन ने कहा कि यह अमेरिका और विश्व के हित में है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में ऐसे सदस्य हों जो लोकतंत्र और विविधता के सम्मान के लिए सैन्य ताकत को संयोजित करें और आतंकी समूहों तथा दुष्ट राष्ट्रों से होने वाले खतरों का सामना कर सकें।

पेलोन ने कहा, 'भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में होना चाहिए और यह जरूरी है कि कांग्रेस इस बात को दृंप प्रशासन और विश्व के समक्ष स्पष्ट कर दे।ः संसदीय बयान में कहा गया कि सुरक्षा परिषद् अब भी 1945 की दुनिया को प्रतिबिंबित करता है, जब संयुक्त राष्ट्र संघ का

गठन हुआ था। संयुक्त राष्ट्र में शुरूआत में केवल 51 सदस्य थे जो अब 200 हो गए हैं। इस तथ्य के बावजूद सुरक्षा परिषद् इन बदलावों को नहीं दर्शाता। वर्तमान में परिषद् के पांच स्थायी सदस्य हैं अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस।यह विधेयक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के आखिरी दिन पेश किया गया।

नेपाल के शहर ललितपुर में मंगलवार को शिकाली उत्सव के दौरान स्थानीय देवी-देवताओं की तरह तैयार कलाकार। यह उत्सव यहां नेवार समुदाय के लोग मनाते हैं और यह दशावन उत्सव के दौरान मनाए जाने वाले हिंदू त्योहारों में से एक है।

सरकार-पाटीदारों के बीच बैठक विफल, गूंजे 'भाजपा हाय-हाय' के नारे

अहमदाबाद। पिछले दो साल से अधिक से समय से चल रहे पाटीदार आरक्षण आंदोलन का अंत विधानसभा चुनाव के पहले करने के लिए भाजपा सरकार द्वारा प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। इसके चलते आज सरकार और पाटीदार समाज की बैठक हुई, जो विफल साबित हुई। इस पर भाजपा हाय-हाय के नारे लगाए गए। इस महत्वपूर्ण बैठक में पाटीदार समाज की 6 महत्वपूर्ण संस्थाओं के ट्रस्टियों, सामाजिक नेताओं और आंदोलनकारी संस्था पास और एसपीजी के नेता उपस्थित थे। एसपीजी की तरफ से हार्दिक पटेल, पूर्वी पटेल समेत कन्वीनर्स समेत 100 लोग शामिल थे। बैठक में ही पास द्वारा हंगामा मचाया गया और भाजपा हाय-हाय के नारे लगाए गए। बैठक में सरकार और पाटीदार दोनों ही अपनी-अपनी जिद पर अड़े थे। एक तरफ सरकार ने सवर्ण आयोग देने की बात की, जिसे पाटीदारों ने अमान्य कर दिया। दूसरी तरफ सरकार पाटीदारों पर हुए मामले को वापस लेने को तैयार हो गई, परंतु आरक्षण और जवाबदार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग को अस्वीकार कर दिया। पाटीदारों की मांगों को लेकर सरकार ने दो दिन का समय मांगा हैं।

सरकार की तरफ से नीतिन पटेल उपस्थित

इस बैठक में सरकार की तरफ से उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल उपस्थित थे। पाटीदारों की तरफ से हार्दिक पटेल, दिनेश बांभणिया, रेशमा पटेल आदि उपस्थित थे।

425 करोड़ की ज्वैलरी पहनकर खेला डांडिया

अहमदाबाद. गुजरात में नवरात्रि के दौरान होने वाला रास गरबा इनदिनों चर्चा में है। पोरबंदर के मेहर समाज की महिलाओं ने बुधवार को 425 करोड़ की ज्वैलरी पहन गरबा खेला। बता दें कि मेहर सोसाइटी की महिलाएं पारंपरिक पोशाक और 30 से 40 तोले सोने से श्रृंगार कर गरबा करती हैं। इस बार रास गरबा में 3 हजार से ज्यादा महिलाओं ने पार्टिसिपेट किया। इन सभी महिलाओं ने 30 से 40 तोला गोल्ड पहना हुआ था। अगर इस सोने को जोड़ दिया जाए तो यह 1085 से 1400 किलो बैठता है। यानी 325 करोड़ से 425 करोड़ रुपए। इस तरह से गरबा खेलने की परंपरा समाज की संस्कृति का हिस्सा है।

रोजाना बदल रही गोल्ड की कीमत, कौन से भाव पर भरें जीएसटी, मुश्किल में व्यापारी

सूरत.डायमंड सिटी के नाम से पूरे विश्व में मशहूर सूरत के हीरे व्यापारियों को जीएसटी को लेकर काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सूरत डायमंड एसोसिएशन के पूर्व प्रमुख दिनेश नवाड़िया ने बताया कि जीएसटी के बाद सूरत के हीरा व्यापारी कई तकलीफों का सामना कर रहे हैं। खासकर जीएसटी कैसे भरें, इस प्रश्न का जवाब प्रत्येक हीरा व्यापारी खोज रहा है।

हीरा व्यवसाय में व्यापारी एक दूसरे से भी हीरे खरीदते हैं। डायमंड ज्वैलरी बनाने के लिए हीरे की खरीद एवं बिक्री व्यापारियों को करनी पड़ती है। बिजनेस टू बिजनेस हीरे के व्यापार एवं सोने की रोज बदलती कीमतों की वजह से जीएसटी भरने में दिक्कत हो रही है। हीरा व्यापारियों की इस तकलीफ के बारे में एसोसिएशन ने जीएसटी काउंसिल के सदस्य एवं एडिशनल डायरेक्टर जनरल सेंट्रल एक्साइज योगेन्द्र गर्ग के सूरत आगमन पर मुलाकात कर समाधान की अपील की है। गर्ग ने भी हीरा व्यापारियों को उनकी समस्या केन्द्र सरकार तक पहुंचाकर योग्य समाधान दिलाने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

अभी नहीं आई रैक, इसलिए दो माह देरी से दिसंबर तक चल सकती है तेजस ट्रेन

सूरत.बहुप्रतीक्षित बिजनेस क्लास की सेमी हाईस्पीड लग्जरी तेजस ट्रेन अब दिसंबर में मुंबई से अहमदाबाद के बीच शुरू होने की बात कही जा रही है। बताया गया है कि रैक अलॉटमेंट न होने से यह ट्रेन इस महीने नहीं शुरू हो पाई। पश्चिम रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरसीएफ में बन रही तेजस की रैक का अब जाकर अलॉट हुई है। इसे इसी महीने आना था, लेकिन अब दिसंबर तक मुंबई आने की संभावना है।

सूरत को मिलेगा हॉल्ट, नए सिरे से होगी शिड्यूलिंग

इससे पहले पश्चिम रेल द्वारा तेजस परिचालन को लेकर पहले से ही शिड्यूलिंग तैयार कर रखा था। इसके अलावा रूट फिजिबिलिटी स्टडी भी पूरी की जा चुकी थी, लेकिन अब इसमें बदलाव होगा। पश्चिम रेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम तेजस को मेन लाइन मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलाने को लेकर उत्साहित हैं। हमें तेजस की रैक सितंबर से पहले मिलने की लगभग पूरी उम्मीद थी, लेकिन रैक अब तक नहीं मिल सकी। हमने इस ट्रेन को चलाने के लिए मेंटनेंस संबंधी सारे कार्य पूरे कर लिए थे।

साथ ही बताया कि तेजस की रैक कपूरथला आरसीएफ में तैयार की जा रही है। काम प्रगति पर है। इससे पहले तेजस को सूरत तक चलाने का शेड्यूल बनाया गया था लेकिन अहमदाबाद विस्तार होने के बाद इसका शिड्यूलिंग प्रोसेस में है।

राहुल गांधी ने मंदिर में की पूजा, 15 मिनट में चढ़े मंदिर की 900 सीढ़ियां

राजकोट.कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में स्थित चोटिला मंदिर में बुधवार को पूजा-अर्चना कर गुजरात में अपने तीसरे और अंतिम दिन के अभियान की शुरुआत की। राहुल 15 मिनट में 900 सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ी पर स्थित मंदिर में देवी मां चामुंडा के दर्शन के लिए पहुंचे। राहुल ने बुधवार सुबह राजकोट से दौरा शुरू किया।

गुजरात में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। दो दिन पहले राहुल ने सौराष्ट्र स्थित प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन कर राज्य में चुनावी अभियान की शुरुआत की थी। राहुल पटेल समुदाय के ईष्टदेव के दर्शन के लिए कागवाड़ जिले में खोडल धाम मंदिर भी गए। बोले, मोदी ने इतने झूठ बोले कि विकास पागल हो गया

राहुल ने कहा कि अरुण जेटली ने हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया है। पूरे देश का जबरदस्त नुकसान होने वाला है। उन्होंने पीएम मोदी पर कहा, लोगों में सरकार के खिलाफ गुस्सा है। मोदीजी ने एक के बाद एक इतने झूठ बोले कि विकास पागल हो गया।

नितिन पटेल ने कांग्रेस पर कसा तंज मोतिया हो तो विकास नहीं दिखता

महेसाणा.उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने मेहसाणा में सुजलाम सुफलाम योजना का शुभारंभ और लोकार्पण किया। वहीं शिलान्यास अवसर पर मौजूद उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने विकास के मुद्दे पर कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जिन्हें मोतिया हो गया है उन्हें विकास दिखाई नहीं दे रहा है। प्रदेश की छह करोड़ जनता सब कुछ

देख और समझ रही है।

सुजलाम योजना के तहत जिले में सिंचाई और तालाबों को भरने के लिए पाइप लाइन डाली जाएगी। योजना का शिलान्यास और लोकार्पण करने के लिए बुधवार की दोपहर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू यहां पहुंचे। महेसाणा के म्युनिसिपल ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने 1243 करोड़ की छह पाइपलाइन का शुभारंभ और लोकार्पण किया। इस दौरान सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए थे।

सुजलाम सुफलाम योजना के तहत भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने की कवायद होगी। इस योजना के बारे में कलेक्टर एचके.पटेल और सुजलाम-सुफलाम योजना के सुपरिंटेंडेंट एमआर.पटेल ने बताया कि उत्तर गुजरात में 9 जलाशय हैं। कम बारिश के कारण ये तालाब नहीं भर पाते थे। इससे पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की कमी पड़ जाती थी। इस पाइप नेटवर्किंग से महेसाणा और गांधीनगर जिले में भूगर्भ जल स्तर ऊपर आएगा।

उपराष्ट्रपति के आगमन पर एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक 490 जवानों को तैनात किया गया है। 13 हजार लोगों की बैठक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी।

बॉलीवुड सॉन्ग्स पर गर्लस ने किया डांस, एक साथ 30 ग्रुप ने खेला गरबा

सूरत (गुजरात).सरसाणा डोम की गरबा में एक साथ 5 हजार लड़के-लड़कियां गरबा खेल सकते हैं। इसे देखने के लिए सूरत के अलावा अन्य जगहों के लोग भी यहां आते हैं। रोजाना बॉलीवुड के कलाकार भी इस डांस को एन्जॉय करने के लिए यहां आते हैं। 30 ग्रुप के पार्टिसिपेंट्स ने पूरी रात हिंदी, मराठी और गुजराती गानों पर गरबा खेला। बॉलीवुड सॉन्ग्स की रही डिमांड...

नवरात्रि महोत्सव जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे लड़के-लड़कियों का उत्साह चरम पर पहुंचा दिख रहा है।

हर साल की तरह इस बार भी डुमस रोड की टीजीबी होटल की ओर से होटल परिसर में नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया।

नवरात्रि के पहले दिन से ही यहां लोगों की भीड़ जुटी रही। अब ये भीड़ ज्यादा बढ़ने लगी है।

यहां कलर थीम गरबा

अडाजण पाल स्थित ग्रीन सिटी बिल्डिंग में ग्रीन सिटी युवा मंडल की ओर से गरबा आयोजित किया गया। जिसकी थीम कापीरेट थी।

इसमें खेलैयों ने टाई और सूट-पैट पहना। करीब 1000 सदस्य मिलकर नवरात्रि के 9 दिनों में अलग-अलग सिंपल गरबा खेलते हैं।

शाम 8:30 बजे आरती होती है बाद में तीन ताली के गरबा शुरू होता है। इसके बाद डांतिया और डांडिया का जश्न होता है। कार्यक्रम 12 बजे तक चलता है। आखिर के 15 मिनट में डीजे बजाया जाता है, जिसमें सभी सदस्य फ्री स्टाइल डांस करते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों को डांस करते देखने का यह नजारा देखने लायक होता है।

नवरात्रि के 9 दिनों में कलर थीम, ब्लैक पठानी, कुर्ता और जींस थीम एवं कॉपीरेट थीम जैसी अलग-अलग थीम पर रोज गरबा खेला जाता है।

ग्रीन सिटी में आज कॉपीरेट थीम रखी गई थी। जिससे यह दर्शाया गया कि सुबह से शाम ऑफिस के काम में बिजी रहने के बावजूद गरबा के लिए वक्त निकाल ही लेते हैं।

इसके लिए उन्हें ऑफिस वेयर में ही क्यों ना गरबा खेलना पड़े। इसलिए सबने टाई पहनकर गरबा खेला।

3 से 11 साल के बच्चों के लिए और 11 से 35 साल के सदस्यों के लिए एवं बुजुर्गों के लिए 3-3 पुरस्कार दिए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com